

धसाधारण

## **EXTRAORDINARY**

भाग I-खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 4

नई दिल्ली, शुक्र गर, जनवरी 15, 1971/पौष 25, 1892

No. 41

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 15, 1971/PAUSA 25, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जातो है जिससे कि यह ग्रजग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 15th January, 1971

Subject:—Copper (Prohibition of use in the manufacture of Electrical Cables and Wires)
Order, 1970.

No. 4-ITC(PN)/71.—Attention of the importers is invited to Copper (Prohibition of use in the manufacture of Electrical Cables and Wires) Order, 1970 issued by the Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Internal Trade) Civil Supplies Organisation as published in the Gazette of India, Extraordinary Part II, Section 3.—Sub-Section (ii), dated the 26th December, 1970, which prohibits the use of electrolytic copper in the manufacture of electrical cables and wires except with the prior permission of the Central Government.

2. In pursuance of the issue of the above Order, it has been decided that in the case of small scale industrial units engaged in the manufacture of electrical cables and wires (bare or insulated) as described in the schedule annexed to the Electrical Cables and Wires Control Order, 1970 dated 26th December, 1970, the entitlement of the units for electrolytic copper will, on request, be changed from 'electrolytic copper' to

'electrolytic grades of aluminium' without any change in the value of the entitlement. They will be allowed to import aluminium in the form of either aluminium wire bars or ingots, which can be converted to wire bars to meet their requirements

R J REBELLO Chief Centroller of Imports and Exports

विदे हुए यह मत्राल ह

मार्बजितिक मृचना

ग्रायात व्यापार नियवण

नई दि"रः । । जनत्रः 19 I

निषय — नाबा (निषा केवनो स्रोर तारा क उन्तत्वन कालिए उपयाग करन पर प्रतिबन्ध । देण, 1970।

संविद्याहिव सीव (पीए कि)/71 - कावात हा का व्यान ता मा ( विद्युत नमला आर तारों के उत्पादत के लिए उपयोग करने पर प्रति नम, आदेश, 1970 ही और अक्कट किया ताता है जाम में किया विकास आर आति कि व्यापार विभाग) मलालय, सिविल समरण मगठत द्वारा जारा किया गया था और कि ता महालय दिवार 20-12-10 को भारत के अववार गणजपत्र के भाग 2, खड 3, उत्ति (2) में हुमाथा, जिसके द्वारा के बाग सरकार में पूर्व अनुमति तिए जाने वाला का छोड़ कर विद्युत्ताम वार्व का विद्युतीय केवला और तारा के उत्पादन में उपयोग करने पर अतिबन्ध लगाया गया था।

2. उत्युक्त शारा किए गए श्रावेश का श्रतुनरण कर, यह विश्व किया गया है कि लथू-पंनाने श्रीद्योगिक एकको के मामले मे जा विद्यात्य के लिला स्वार न रा (अवाजून या निस्तुन-उध्भारोधी) के उत्पादन ने लगे हुए है, जैनाकि विद्युत्तीय केंग्रा श्रार नार निम्नल श्रावेश, 1970, दिताक 26-12-70 मे अनुबन्धित प्रतुस्त्वा मे यिशत है इनै स्ट्रालिटिक ताजा के लिए एकको को हकदारी प्रावेशन करने पर 'उनै स्ट्रालिटिक वाजा में एल्युमिनियम के वर्ग इलैक्ट्रोलिटिक' वाजा में एल्युमिनियम के वर्ग इलैक्ट्रोलिटिक' में परिवर्तन उनके हक्दरा व मूच्य मे जिना किसा परिवर्तन के कर दिया जायगा। उन्हें एल्युमिनियम नार छड़ा या मिलिनया के साम एन्यु निज्यम आयात करने को अनुमिन दी जाएगा, जिने उनका आवश्यकतान्त्रा की पूर्ण किला, वार छड़ा के एप मे परिवर्तन किया जा सकता है।

> प्राप्त कि पक्षे**ला,** सुप्त तिमन्दक्त, आसना-नि**र्मा**त ।